महाराजा अग्रसेन टेक्निकल एजुकेशन सोसायटी

प्रियजनों,

प्रधानमंत्री मोदी जी के संबोधन दिनांक12/05/2020 की प्रमख बातें:-

नमस्कार,

प्रधानमंत्री मोदी जी के संबोधन को आत्मसात करने का देशवासियों सेअनुरोध :-

- दुनिया को कोरोना वायरस से लड़ते हुए 4 महीने हो गए हैं
- विश्व भर में करोड़ों ज़िंदगियां संकट का सामना कर रहीं हैं
- सारी दुनिया, ज़िन्दगी बचाने की जंग में जुटी हैं
- लेकिन थकना, हारना, टूटना- बिखरना मानव को मंजूर नहीं है
- **21वीं सदी हिंदुस्तान की है**
- सतर्क रहते हुए अब हमें बचना भी है और आगे भी बढ़ना है
- **आज की स्थिति हमे सिखाती है- "आत्मनिर्भर भारत"**
- एक राष्ट्र के रूप में आज हम एक बहुत ही अहम मोड़ पर खड़े हैं
- पहले N95 मास्क का उत्पादन भारत में नाम मात्र होता था
- जब कोरोना संकट शुरू हुआ तब भारत में एक भी PPE नहीं बनती थी

- आज भारत में प्रतिदिन 2 लाख PPE और 2 लाख N95 मास्क का उत्पादन हो रहा है

- **भारत के अभियानों का असर दुनिया पर पड़ता ही पड़ता है**

- **हम ठान लें तो कोई लक्ष्य असंभव नहीं, कोई राह कठिन नहीं**

- **दुनिया को लगने लगा है कि भारत कुछ अच्छा कर सकता है**

- **आज एक विशेष आर्थिक पैकेज का ऐलान कर रहा हूं जो करीब करीब 20 लाख करोड़ रुपए का है**

- **ये विशेष आर्थिक पैकेज, भारत के जीडीपी का 10% है**

- **पैकेज में सभी वर्गों को सम्मिलित किया गया है**

- इससे आर्थिक व्यवस्था की कड़ियों का सहयोग सभी वर्गों को मिलेगा

- जब भारत खुले में शौच से मुक्त होता है तो दुनिया की तस्वीर बदल जाती है। टीबी हो, कुपोषण हो, पोलियो हो, भारत के अभियानों का असर दुनिया पर पड़ता ही पड़ता है

- आज हमारे पास साधन हैं, हमारे पास सामर्थ्य है, हमारे पास दुनिया का सबसे बेहतरीन टैलेंट है, हम सबसे अच्छे प्रोडक्ट बनाएंगे, अपनी गुणवत्ता और बेहतर करेंगे, सप्लाई चेन को और आधुनिक बनाएंगे, ये हम कर सकते हैं और हम जरूर करेंगे

- ये आर्थिक पैकेज हमारे कुटीर उद्योग, गृह उद्योग, हमारे लघु-मंझोले उद्योग, हमारे MSME के लिए है, जो करोड़ों लोगों की आजीविका का साधन है,जो आत्मनिर्भर भारत के हमारे संकल्प का मजबूत आधार है

आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सिद्ध करने के लिए,इस पैकेज में भूमि, श्रम, नकदी और कानून सभी पर बल दिया गया है

▪आज से हर भारतवासी को अपने लोकल के लिए 'वोकल' बनना है, न सिर्फलोकल Products खरीदने हैं, बल्कि उनका गर्व सेप्रचार भी करना है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा देश ऐसा कर सकता है

▪हमारे जो रेहड़ी, ठेला लगाने वाले भाई-बहन हैं, जो श्रमिक साथी हैं, उन्होंने इस दौरान बहुत कष्ट झेले हैं। त्याग किए हैं। अब हमारा कर्तव्य है कि उन्हें ताकतवर बनाया जाए। उनके आर्थिक हितों के लिए बड़े कदम उठाने का।

▪लॉकडाउन का चौथा चरण, लॉकडाउन 4, पूरी तरह नए रंग रूप वाला होगा, नए नियमों वाला होगा।राज्यों से हमें जो सुझाव मिल रहे हैं, उनके आधार पर लॉकडाउन 4 से जुड़ी जानकारी भी आपको18 मई से पहले दी जाएगी।

▪आत्मनिर्भर भारत का ये युग,हर भारतवासी के लिए नूतन प्रण भी होगा, नूतन पर्व भी होगा। अब एक नई प्राणशक्ति, नई संकल्पशक्ति के साथ हमें आगे बढ़ना है।

▪अब रिफॉर्म के उस दायरे को व्यापक करना है, नई ऊंचाई देनी है। ये रिफॉर्मस खेती से जुड़ी पूरी सप्लाई चेन में होंगे, ताकि किसान भी सशक्त हो और भविष्य में कोरोना जैसे किसी दूसरे संकट में कृषि पर कम से कम असर हो।

▪ये आर्थिक पैकेज देश के उस श्रमिक के लिए है, देश के उस किसान के लिए है जो हर स्थिति, हर मौसम में देशवासियों के लिए दिन रात परिश्रम कर रहा है। ये आर्थिक पैकेज हमारे देश के मध्यम वर्ग के लिए है, जो ईमानदारी से टैक्स देता है, देश के विकास में अपना योगदान देता है।

आपका धन्यवाद.

डॉ० नंद किशोर गर्ग
संस्थापक अध्यक्ष महाराजा अग्रसेन इंस्टीटयट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट स्टडीज, दिल्ली